सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 288 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 25 नवम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

जब तक आपका शरीर स्वस्थ और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सिर पर आ जायेगी तब आप क्या कर पाएंगे?
-चाणक्य

पूर्व सीएम संगमा समेत 12 विधायक... 7 | मिशन यूपी: राम मंदिर और राष्ट्रवाद... 3 | सोनिया गांधी के गढ़ रायबरेली में... 2

पूर्वांचल के बाद अब पश्चिमी यूपी को साधने उतरे मोदी

जेवर एयरपोर्ट का किया शिलान्यास

» जारी किसान आंदोलन और सपा-आरएलडी गठबंधन से शीर्ष नेताओं की बढ़ी चिंता

» कृषि कानूनों की वापसी और जेवर एयरपोर्ट से नुकसान कम करने की कोशिश में भाजपा

» पश्चिमी यूपी में जाट-मुस्लिम वोटर निभाएंगे निर्णायक भूमिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के आगामी विधान सभा चुनाव में भाजपा कोई कोर कसर छोड़ने के मूड में नहीं है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी कमान संभाल ली है। वे प्रदेश में ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं। पिछले दिनों पीएम मोदी ने कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। बुंदेलखंड को कई सौगातें दीं और आज उन्होंने पश्चिमी यूपी को साधने के लिए जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास किया।

प्रदेश में सत्ता बचाने के लिए भाजपा हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, किसान और विकास के जरिए सियासी एजेंडा सेट करने में जुटी है। कृषि कानूनों की वापसी के बाद माना जा रहा है कि भाजपा को पश्चिमी यूपी के चुनावी समर में उतरने में मदद मिलेगी। जेवर एयरपोर्ट और पश्चिमी यूपी में फिल्म सिटी सहित कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात वापसी की राह को आसान बना सकती है। 34 हजार करोड़ की लागत से बनने वाला जेवर एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के औद्योगिक, आर्थिक और पर्यटन के विकास के लिए मील का पत्थर बनेगा। इसके 2024 तक शुरू होने की संभावना है। एयरपोर्ट दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, आगरा, फरीदाबाद के आस-पास के इलाकों के लिए बड़ी सौगात साबित होगा। दरअसल, किसान आंदोलन के चलते पश्चिमी यूपी भाजपा के लिए चुनौती मानी जा रही है, जिसकी काट के लिए पीएम मोदी ने कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा की लेकिन आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गठबंधन कर लिया। लिहाजा पीएम मोदी सियासी समीकरण दुरुस्त करने में जुट गए हैं।

सियासी समीकरण

15 साल बाद भाजपा ने 2017 में यूपी की सत्ता में वापसी की थी, उसमें पश्चिमी यूपी की भूमिका अहम रही है। उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से 136 सीटें पश्चिमी यूपी में आती है। इस तरह से सूबे की एक तिहाई सीटें इसी इलाके में हैं और भाजपा इनमें से 80 फीसदी सीटें जीतने में कामयाब रही थी। पश्चिमी यूपी की कुल 136 सीटों में से 109 सीटें भाजपा ने जीती थीं लेकिन किसान आंदोलन के बाद जिस तरह से जाट-मुस्लिम एक साथ आए हैं और आरएलडी-सपा का गठबंधन हुआ है उससे भाजपा के लिए राह कठिन हो गयी है।

हाईकोर्ट की बेंच की मांग पर भी विचार

पश्चिमी यूपी को केंद्र सरकार की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट की बेंच की सौगात देने की योजना भी चल रही है। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने आगरा में एक कार्यक्रम में कहा था कि विधि मंत्रालय के पास न्यायमूर्ति जसवंत सिंह आयोग की रिपोर्ट मौजूद है और केंद्र सरकार इस पर विचार कर रही है। रिजिजू ने कहा था कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो इलाहाबाद उच्च न्यायालय की आगरा खंडपीठ की स्थापना को जल्द मंजूरी मिल जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से हाईकोर्ट की वेस्ट यूपी में बेंच को मंजूरी मिलती है तो इससे भाजपा को पूरे इलाके को साधने में मदद मिलेगी। दशकों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की अलग बेंच की मांग उठती रही है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

भाजपा को चौतरफा घेरने में जुटे अखिलेश, कहा

दलित और महिला विरोधी यूपी सरकार को करें बेनकाब

» हाथरस की बेटी स्मृति दिवस मनाने की अपील

» गैंगरेप पीड़िता की मौत के बाद परिवार की गैरमौजूदगी में पुलिस ने जला दिया था शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा को चौतरफा घेरने में जुट गए हैं। भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए एक ओर वे छोटे दलों से गठबंधन कर रहे हैं तो दूसरी ओर प्रदेश की कानून व्यवस्था, किसानों, महिलाओं और दलितों समेत कई मुद्दों पर भाजपा की योगी सरकार पर हमले कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रदेशवासियों से हर महीने की तीस तारीख को हाथरस की बेटी की स्मृति दिवस मनाने और भाजपा सरकार की दलित और महिला विरोधी चेहरा बेनकाब करने की अपील की है।

राजा भैया ने की मुलायम सिंह से मुलाकात

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष राजा भैया ने आज सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीर उन्होंने अपने ट्वीटर हैंडल से शेयर भी की और लिखा आदरणीय नेता जी से काफी समय बाद भेंट हुई, आशीर्वाद मिला, भावुक पल। वहीं उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि नेताजी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने आया था। इसके कोई और निहितार्थ नहीं निकाले। दूसरी ओर मुलायम सिंह यादव से राजा भैया की मुलाकात से सियासी गलियारे में गठबंधन की अटकलें तेज हो गयी हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, उप्रवासियों, सपा व सहयोगी दलों से अपील है कि वे हर महीने की 30 तारीख को 'हाथरस की बेटी स्मृति दिवस' मनाएं और प्रदेश की भाजपा सरकार ने 30-09-20 को जिस अभद्र तरीके से बलात्कार पीड़िता के शव को जलाने का कुकृत्य किया था उसकी याद दिलाएं। अखिलेश ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार का दलित व महिला विरोधी चेहरा बेनकाब हो। गौरतलब है कि 2020 में 14 सितंबर को हाथरस में दलित लड़की के साथ गैंगरेप किया गया था। 29 सितंबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रात में ही पीड़िता का शव गांव ले जाकर परिवार की गैरमौजूदगी में अंतिम संस्कार कर दिया था। सीबीआई मामले की जांच कर रही है।

सोनिया गांधी के गढ़ रायबरेली में अदिति सिंह के पाला बदलने से मुश्किल में कांग्रेस

» अपने-अपने दल में बगावत कर चुकीं कांग्रेस विधायक अदिति सिंह व बसपा विधायक वंदना सिंह भी भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपने-अपने दल में बगावत का बिगुल पहले ही फूंक चुकीं रायबरेली की सदर सीट से कांग्रेस की विधायक अदिति सिंह और आजमगढ़ के सगड़ी सीट से बीएसपी की विधायक वंदना सिंह ने आखिरकार भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम ही लिया। अदिति सिंह के पाला बदलने को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के गढ़ रायबरेली में दरार मान रही भाजपा वंदना सिंह के साथ आने से सपा मुखिया अखिलेश यादव के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में जमीन मजबूत होते देख रही है।

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह बोले भी हैं कि यह दोनों महिला विधायक सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और डिंपल यादव को टक्कर देंगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए भाजपा ने दूसरे दलों पर भी नजरें गढ़ा दी हैं। पिछले दिनों पार्टी के सीतापुर विधायक राकेश राठौर सपा में शामिल हुए तो उसके बाद भाजपा ने चार सपा एमएलसी तोड़ लिए। अन्य दलों में भगदड़ का संदेश यही संदेश देने के लिए बुधवार को दो विधायकों को पार्टी की सदस्यता दिला दी। रायबरेली के सदर से कांग्रेस विधायक अदिति सिंह और आजमगढ़ के सगड़ी क्षेत्र से बसपा विधायक वंदना सिंह शाम करीब पांच बजे भाजपा मुख्यालय पहुंचीं, जहां प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उन्हें भाजपा में शामिल कराया।

मोदी-योगी की नीतियों से प्रभावित हूं : अदिति सिंह

कांग्रेसी की बागी विधायक व वर्तमान में भाजपा नेता अदिति सिंह ने भरोसा दिखाया कि वह मोदी-योगी की नीतियों से प्रभावित होकर आई हैं और फिर अपनी सीट से विधान सभा चुनाव जीतकर भाजपा को मजबूत करेंगी। जब उनसे सवाल पूछा गया कि उनके पति अंगद सिंह पंजाब से कांग्रेस के विधायक हैं और वह खुद भाजपा में क्यों? तो बोलीं कि यह अपना-अपना स्टैंड है। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष डा. लक्ष्मीकांत बाजपेयी और प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह भी उपस्थित थे।

दोनों के आने से मजबूत हुई पार्टी : स्वतंत्र देव

दोनों महिला विधायकों का स्वागत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव ने उम्मीद जताई कि इनके आने से पार्टी मजबूत होगी। साथ ही बोले कि इनमें अदिति सिंह तो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के गढ़ रायबरेली से हैं और वंदना सिंह आजमगढ़ की मजबूत नेता हैं, जो सपा मुखिया अखिलेश यादव का संसदीय क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि यह दोनों महिला विधायक सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और डिंपल यादव को टक्कर देंगी। इन दोनों के दोबारा अपनी-अपनी सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर स्वतंत्र देव सिंह बोले कि यह फैसला पार्टी का संसदीय बोर्ड करेगा।

महिलाओं के लिए केवल स्टंट कर रही प्रियंका गांधी

पिछले दिनों अदिति सिंह ने साफ कह दिया था कि वह सीएम योगी आदित्यनाथ की टीम का हिस्सा बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि सीएम योगी सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं और उनकी टीम का हिस्सा बनकर अपनी विधानसभा के लिए ज्यादा बेहतर कर सकूंगी। अदिति सिंह ने कहा था कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी केवल स्टंट कर रही हैं। अगर वह महिलाओं के लिए जागरूक होती तो सबसे पहले अपने निजी सचिव संदीप सिंह के खिलाफ कार्रवाई करती, जिस पर महिला से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज हुआ है। अदिति का यह भी कहना है कि कांग्रेस महासचिव सिर्फ राजनीति कर रही है। उनके पास अब मुद्दे नहीं बचे हैं।

सरकार कोई भी हो जनता विकास चाहती है : स्वामी प्रसाद मौर्य

» जिसने विकास किया उसके साथ खड़ी रहती है जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक शादी समारोह में शामिल होने कन्नौज पहुंचे। यहां उन्होंने सुब्रमण्यम स्वामी और ममता बनर्जी की मुलाकात, यूपी विधानसभा चुनाव, कृषि कानून वापसी आदि मुद्दों पर अपनी राय रखी। इस दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि सरकार कोई भी हो जनता विकास चाहती है।

जिस सरकार ने विकास किया उसके साथ जनता खड़ी रहती है। मौर्य ने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुलाकात को सामान्य बताया। उन्होंने कहा कि सुब्रमण्यम स्वामी भाजपा के विद्वान नेता हैं। वहीं यूपी में भाजपा को हराने के लिए ममता बनर्जी द्वारा अखिलेश का साथ देने पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि शीर्ष पर बैठे नेता का प्रभाव कहीं न कहीं हर जगह होता है। कहीं पर वह माइनस और कहीं पर प्लस कर सकते हैं। हम उनको जीरो में नहीं नकार सकते हैं। किसान मसले पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसान पहले भी हमारे साथ था, आज भी हमारे साथ है और आगे भी हमारे साथ रहेगा। हर पार्टी में कुछ तुनक मिजाजी टाइप के लोग होते हैं। इनके बयानों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

भाजपा सांसद कठेरिया पर बलवे के मुकदमे में आरोप तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। इटावा से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया के खिलाफ दस साल पुराने बलवे के मुकदमे में आरोप तय किए गए हैं। विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए की अदालत ने आरोप तय कर पत्रावली साक्ष्य हेतु 30 नवंबर की तारीख नियत की है। घटना 16 नवंबर 2011 की है। आगरा से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया ने समर्थकों व लोगों की भीड़ के साथ नेहरू नगर में साकेत माल स्थित टोरंट कार्यालय प्रदर्शन किया था। इस दौरान भीड़ ने जमकर हंगामा किया था। आरोप है कि इस दौरान सांसद ने टोरंट के मैनेजर के साथ मारपीट की थी।

यूपी में 15 दिन चलेगा कांग्रेस का सदस्यता अभियान

» एक परिवार, नए सदस्य चार के नारे संग 1 करोड़ सदस्यों का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए कमर कस चुकी कांग्रेस पार्टी ने 15 दिनों तक सदस्यता अभियान चलाने का ऐलान किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बताया कि प्रदेश कमेटी की तरफ से 26 नवंबर 2021 यानी संविधान दिवस से शुरू होकर 15 दिन तक अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू ने कहा, उत्तर प्रदेश में एक परिवार, नए सदस्य चार के नारे के तहत चलने वाले महाभियान में 15 दिन में कांग्रेस के एक करोड़ नए सदस्य बनाए जाएंगे।

यह अभियान 10 दिसंबर 2021 तक चलेगा। सदस्यता अभियान की शुरूआत संविधान दिवस पर हो रही है। इस दिन गांव, बस्तियों, वार्डों में भीम चर्चा और रात्रि भोज का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत हर विधानसभा में न्याय पंचायतों या वार्डों के आधार पर पांच सदस्यीय टीमों का गठन होगा। हर टीम का एक प्रभारी होगा। प्रदेश में लगभग 23000 सदस्यता प्रभारी बनाए जाएंगे। महाअभियान के लिए सदस्यता मिस्ड कॉल नंबर-8230005000 होगा। महिला कॉलेजों के सामने लड़की हूं, लड़ सकती हूं बैनर के तहत सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। हर सदस्यता टीम प्रतिदिन 25 नये सदस्य बनाएगी।

बीजेपी को हराने के लिए ओमप्रकाश राजभर ने ओवैसी से मांगी मदद

» पांच से दस सीटों का दिया ऑफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर ने अब बीजेपी को हराने के लिए एआईएमआईएम चीफ असुद्दीन ओवैसी से मदद मांगी है। राजभर ने एक बयान में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव से गठबंधन में ओवैसी शामिल हो जाएं। उन्होंने कहा कि वे गठबंधन में शामिल होते हैं तो उन्हें 5-10 सीटें दी जाएंगी।

राजभर ने कहा कि 100 सीटों पर चुनाव लड़ने से उन्हें जीत नहीं मिलेगी। 5-10 सीटों पर चुनाव लड़ते हैं तो उनका जीतना तय है। राजभर ने कहा 100 सीटों पर मत लड़िए। 100 सीट कोई भी पार्टी नहीं देगी। हमने कहा कि 100 सीट मत मांगिए, कोई नहीं देगा। 10 सीट पर लड़ना है तो बताइए फिर बात करें। ओवैसी लोकसभा सांसद हैं और हिंदुस्तानी हैं, उनसे गठबंधन में हर्ज नहीं। एआईएमआईएम प्रवक्ता वसीम वकार ने राजभर के बयान को भ्रम फैलाने वाला बताया और कहा कि अखिलेश यादव बताएं कि वो कौन सी 10 सीटें हैं जो वे हमें देंगे। उन्होंने कहा कि राजभर सिर्फ गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उधर बीजेपी ने भी राजभर के बयान पर हमला बोलते हुए कहा कि आज पता चल गया कि ओवैसी किसकी बी टीम हैं।

ओवैसी बीजेपी की बी टीम नहीं, बल्कि सपा की बी टीम : सिद्धार्थ नाथ

योगी सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा है कि ओमप्रकाश राजभर के बयान से यह साबित हो गया है कि ओवैसी बीजेपी की बी टीम नहीं है बल्कि सपा की बी टीम है। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा जो सच था वह अब लोगों के सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि सपा और एआईएमआईएम व अन्य दल एक साथ मिलकर प्रदेश में सांप्रदायिकता का माहौल बना रहे हैं। ओवैसी तो सांप्रदायिकता फैलाने के माहिर है। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा यूपी चुनाव में जितनी सांप्रदायिक नौटंकी कर सकते हैं ओवैसी करेंगे, उससे जो लाभ है वह समाजवादी पार्टी को मिले इस दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा अब सच सामने है और जनता ही इस मामले में कोई फैसला करेगी।

मिशन यूपी : राम मंदिर और राष्ट्रवाद को चुनावी हथियार बनाने की तैयारी में भाजपा

» कृषि कानूनों की वापसी के ऐलान के बाद बदली रणनीति, सरकार की उपलब्धियों पर भी फोकस

» कार्यकर्ताओं को बूथों को मजबूत करने के निर्देश किसानों के हित में किए कामों को गिनाने पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी विधान सभा चुनाव के पहले प्रदेश की सियासत गर्म हो गयी है। विपक्ष को शिकस्त देने के लिए भाजपा ने अपनी रणनीति बदल दी है। कृषि कानूनों की वापसी के बाद भाजपा अब राम मंदिर और राष्ट्रवाद को अपना चुनावी हथियार बनाने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा कार्यकर्ताओं से प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को भी जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। सियासी माहौल बनाने के लिए दिग्गज नेताओं ने कमान संभाल ली है। चुनाव के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी ताबड़तोड़ रैलियां करेंगे।

बूथ सम्मेलनों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह राम मंदिर, राष्ट्रवाद और कानून व्यवस्था को सरकार की उपलब्धि बताकर विपक्ष पर हमला बोल रहे हैं, उससे साफ है कि यही मुद्दे चुनाव में उसके हथियार बनेंगे। इसके अलावा कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब भाजपा किसान हित में कराए गए कामों को सभाओं में गिना रही है। पार्टी अब भाजपा सरकार को किसान हमदर्द दिखाने की मुहिम में लग गई है। जेपी नड्डा ने जिन्ना के जिक्र और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के खात्मे के बहाने राष्ट्रवाद की लाइन दी तो मंदिर निर्माण का संकल्प साकार होने का भावनात्मक मुद्दा भी उछाल दिया है। उन्होंने कहा कि हम सबका साथ सबका विकास में यकीन करते हैं और बाकी दल वोट बैंक पर विश्वास करते हैं। हम तिलक, पटेल और गांधी को याद करते हैं और उनको आज भी जिन्ना याद आता है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था को लेकर यकीन दिलाया कि आज प्रदेश दंगा मुक्त है जबकि 2017 से पहले यहां हर तीसरे-चौथे दिन दंगा होता था। असदुद्दीन ओवैसी का नाम लेते हुए कहा कि आजकल वह सीएए के नाम पर भावना भड़काने का काम कर रहे हैं। चुनाव में कानून-व्यवस्था का मुद्दा भी अहम रोल अदा करेगा।

पीएम मोदी और शाह भी संभालेंगे कमान

2022 का विधान सभा चुनाव 2024 के लिए बेहद अहम है। भाजपा भी इस बात को अच्छी तरह जानती है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता यूपी से होकर जाता है। ऐसे में भाजपा का शीर्ष नेतृत्व चुनाव में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि दिग्गज नेताओं ने कमान संभालनी शुरू कर दी है। खुद पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चुनाव के दौरान अपनी पूरी ताकत लगाएंगे।

विपक्ष को घेरने में जुटी भाजपा

भाजपा विपक्ष को घेरने में जुटी हुई है। वह सपा-बसपा और कांग्रेस पर लगातार परिवारवाद, जातिवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगा रही है। इसके अलावा पिछली सरकारों में कानून व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों पर आक्रामक तरीके से प्रहार करने की रणनीति बनायी है।

महिला सशक्तिकरण पर फोकस, अब पुलिस जीप की स्टेयरिंग संभालेंगी महिला होमगार्ड

» उत्तर प्रदेश होमगार्ड विभाग का निर्णय

» नारी सशक्तिकरण योजना के तहत मिलेगा लाभ

» जल्द शुरू होगी ट्रेनिंग, भत्ता भी मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिलाएं किसी से कमजोर या पीछे नहीं। इसी सूत्र वाक्य को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस नई पहल करने जा रही है। नारी सशक्तिकरण के तहत अब महिला होमगार्ड भी बड़ा कदम बढ़ाने वाली हैं और जल्द वह आपको पुलिस वाहन की चालक सीट पर स्टेयरिंग संभालते भी नजर आएंगी। होमगार्ड विभाग ने इसकी ठोस योजना बनाई है। इसके तहत पहले चरण में लगभग 130 महिला होमगार्ड का एक दिसंबर से चौपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण आरंभ होगा। एक माह के विशेष प्रशिक्षण के दौरान उनका लर्निंग लाइसेंस भी बनवाया जाएगा।

महिला होमगार्ड को प्रशिक्षण के दौरान हर दिन का ड्यूटी भत्ता भी प्रदान किया जाएगा। उत्तर प्रदेश होमगार्ड विभाग ने शासन की नारी सशक्तिकरण योजना के तहत अहम निर्णय किया है। महिला होमगार्ड को सशक्त बनाने के लिए उन्हें चौपहिया वाहन चलाने का एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। होमगार्ड मुख्यालय में राज्यमंत्री पलटूराम व अपर मुख्य सचिव अनिल कुमार की मौजूदगी में समीक्षा बैठक में इसे लेकर कई अहम निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि वाहन चलाने में निपुण होने से महिला होमगार्ड का न सिर्फ मनोबल बढ़ेगा, बल्कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

तीन हजार होमगार्ड प्रति वर्ष हो रहे रिटायर

यूपी होमगार्ड विभाग में मुख्यालय स्तर पर अधिकारियों ने जवानों की भर्ती का खाका तैयार करना शुरू कर दिया गया है। इसके पूर्व जो भर्तियां हुई थीं, वे मृतक आश्रितों के लिए थीं। प्रत्येक वर्ष लगातार करीब तीन हजार होमगार्ड सेवानिवृत्त हो रहे हैं। लंबे समय से विभाग में जवानों की भर्ती न होने के कारण खाली पदों की संख्या बढ़ती जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में होमगार्ड के जवान थाने, यूपी 112, इंडस्ट्री, जिला प्रशासन समेत अन्य संस्थानों में ड्यूटी कर रहे हैं।

500 रुपये प्रतिदिन मिलती है सैलरी

उत्तर प्रदेश में होमगार्ड जवान को 500 रुपए प्रतिदिन सैलरी मिलती है। होमगार्ड जवानों को पहले 375 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से सैलरी मिलती थी, लेकिन इसे 125 रुपए बढ़ाकर 500 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है। होमगार्ड जवानों को उतने ही दिन की सैलरी मिलती है, जितने दिन वो काम करते हैं। यदि होमगार्ड के जवान पूरे महीने ड्यूटी करते हैं तो उन्हें सैलरी के रूप में 15 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते हैं।

पहले चरण में 130 महिला होमगार्डों को मिलेगा प्रशिक्षण

डिप्टी कमांडेंट जनरल, प्रशिक्षण विवेक कुमार सिंह ने बताया कि विभाग में लगभग चार हजार महिला होमगार्ड हैं। इनमें इच्छुक महिला होमगार्ड को चौपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिलाए जाने की योजना है। अब तक करीब 150 महिला होमगार्ड प्रशिक्षण हासिल करने के लिए आगे आ चुकी हैं। पहले चरण में 12 मंडलीय प्रशिक्षण केंद्रों पर लगभग 130 महिला होमगार्ड का प्रशिक्षण होगा। इसके लिए निजी वाहन प्रशिक्षण केंद्रों की भी मदद ली जा रही है। यूपी 112 का भी सहयोग लिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद निपुण महिला होमगार्ड चालक को यूपी 112 की पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हेकिल) में ड्यूटी भी दिलाई जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

टीकाकरण में लापरवाही पड़ सकती है भारी

कोरोना संक्रमण की रफ्तार भले कम पड़ गयी हो लेकिन अभी यह खत्म नहीं हुआ है। राजस्थान, पंजाब में मामले फिर बढ़ने लगे हैं। राजस्थान में बच्चे भी संक्रमित हुए हैं। केरल में अभी भी देश के कुल मरीजों का करीब पचास प्रतिशत रोजाना मिल रहे हैं। वहीं दुनिया में कोरोना की बढ़ती रफ्तार ने चिंता बढ़ा दी है। कई विशेषज्ञ तीसरी लहर की आशंका जताने लगे हैं। इन सबके बीच कोरोना टीकाकरण में उदासीनता भी दिख रही है। सवाल यह है कि कोरोना टीका को लेकर लोग लापरवाही क्यों बरत रहे हैं? अभी तक दोनों डोज लेने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा क्यों नहीं हो रहा है? वैक्सीन के बावजूद लोग दूसरी डोज लेने से कतरा क्यों रहे हैं? क्या संक्रमण की कम होती रफ्तार ने लोगों के मन से कोरोना का भय समाप्त कर दिया है? क्या केंद्र और राज्य सरकारें भी टीकाकरण को लेकर उदासीन हो चुकी हैं? क्या टीकाकरण को रफ्तार देने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत राज्य सरकारों को महसूस नहीं हो रही है?

कोरोना अभी भी दुनिया के तमाम देशों में हाहाकार मचाए हुए हैं। आस्ट्रिया में संक्रमण को देखते हुए एक बार फिर लॉकडाउन लगा दिया गया है जबकि रूस में मरीजों की संख्या में बेतहाशा इजाफा हो रहा है। अमेरिका और फ्रांस की स्थिति भी ठीक नहीं है। जहां तक भारत का सवाल है तो यहां कोरोना की रफ्तार पिछले कुछ दिनों से कम हो रही है लेकिन अभी भी खतरा बरकरार है। रूस, अमेरिका के हालात इसकी पुष्टि कर रहे हैं। भारत में भी कई राज्यों में कोरोना के केस फिर बढ़ते दिख रहे हैं। यह चिंताजनक है। इसके बावजूद जिस रफ्तार से टीकाकरण शुरू हुआ था, उसमें ब्रेक लगता दिख रहा है। अभी तक 18 साल से ऊपर के लोगों को दोनों डोज नहीं लग सकी है। कई करोड़ लोग अभी भी पहली डोज के बाद दूसरी डोज नहीं ली है। यह स्थिति तब है जब विशेषज्ञ कोरोना से सुरक्षा के लिए दोनों डोज लेने को अनिवार्य बता रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि देश में अभी बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं शुरू हो सका है। ऐसे में जब खतरा अभी टला नहीं है कोरोना टीका को लेकर नागरिकों में बढ़ रही उदासीनता खतरे की घंटी से कम नहीं है। वहीं राज्य सरकारें भी इस मामले में उदासीन दिख रही हैं। टीकाकरण को लेकर कोई विशेष अभियान नहीं चलाया जा रहा है। यदि यही हाल रहा तो देश में स्थितियां कभी भी खतरनाक हो सकती हैं क्योंकि अब फिर से कोरोना पूर्व की तरह गतिविधियां शुरू हो गयी है। जाहिर है सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द सभी के संपूर्ण टीकाकरण पर जोर दे। साथ ही बच्चों का टीकाकरण जल्द से जल्द शुरू कराया जाए अन्यथा हालात खराब हो सकते हैं।

“ जहां तक भारत का सवाल है तो यहां कोरोना की रफ्तार पिछले कुछ दिनों से कम हो रही है लेकिन अभी भी खतरा बरकरार है। रूस, अमेरिका के हालात इसकी पुष्टि कर रहे हैं। भारत में भी कई राज्यों में कोरोना के केस फिर बढ़ते दिख रहे हैं। यह चिंताजनक है। इसके बावजूद जिस रफ्तार से टीकाकरण शुरू हुआ था, उसमें ब्रेक लगता दिख रहा है। अभी तक 18 साल से ऊपर के लोगों को दोनों डोज नहीं लग सकी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कृषि कानूनों की वापसी के मायने

नीरजा चौधरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने का निर्णय मेरी समझ में एक राजनीतिक निर्णय है। इसके पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, वह है उत्तर प्रदेश विधान सभा का आगामी चुनाव। इससे कोई भी असहमत नहीं हो सकता है कि अगर भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश में समस्याएं खड़ी होती हैं तो फिर पार्टी के लिए 2024 का लोक सभा चुनाव बड़ा प्रश्नचिह्न बन जायेगा। भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश केवल जीतना ही जरूरी नहीं है बल्कि अच्छी तरह से जीतना जरूरी है।

कृषि कानूनों के विरोध में लगभग एक साल से चल रहे किसान आंदोलन का उत्तर प्रदेश में, विशेषकर राज्य के पश्चिमी हिस्से में बड़ा असर रहा है। इन कानूनों से सबसे अधिक जाट किसान नाराज हैं। 2014, 2017 और 2019 के चुनावों में जाट और मुस्लिम मतदाताओं में विभाजन का सीधा फायदा भाजपा को हुआ था तथा उसने इस इलाके में बड़ी जीत हासिल की थी। पश्चिमी यूपी में जाट आबादी लगभग 15 फीसदी है और इस क्षेत्र में मुस्लिम आबादी 27 फीसदी है। इस क्षेत्र में बसे गुर्जर समुदाय के लोग भी कृषि कानून और अन्य वजहों से नाराज हैं। इस समुदाय को यह भी लगता है कि सरकार में उसका कोई प्रतिनिधित्व ही नहीं है। लखीमपुर खीरी में किसानों के मारे जाने की जो घटना हुई और उसमें एक मंत्री के बेटे और समर्थकों के शामिल होने की बात सामने आयी, उससे उत्तर प्रदेश के इस क्षेत्र में बसे सिख भी नाराज हैं। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने खुल कर इन घटनाओं पर रोष जताया है। ऐसी स्थिति में अगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट, मुस्लिम, गुर्जर और सिख मतदाता एकजुट होकर विरोध में मतदान करेंगे तो भाजपा के सामने बड़ी बाधा पैदा हो जायेगी तथा लगभग 130 सीटों का बड़ा भाग उसके हाथ से निकल सकता है। ऐसे राजनीतिक माहौल में भाजपा की कोशिश है कि किसानों की नाराजगी किसी तरह से कम हो ताकि संभावित चुनावी घाटे को कम किया जा सके। उत्तर प्रदेश, विशेष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की वजह से भाजपा ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों तथा 2017 के विधानसभा चुनाव में बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की थी। भाजपा को अहसास है कि किसान आंदोलन के कारण इस बार स्थिति पूरी तरह से बदल भी सकती है। पंजाब की राजनीति भी इस प्रकरण में एक कारक

है, जहां ऐसी संभावना दिख रही है कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस से अलग हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ भाजपा कोई समीकरण बनाने की कोशिश कर सकती है लेकिन पंजाब का कारक महत्वपूर्ण या प्रभावी कारक नहीं है। पंजाब में अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा की स्थिति लगभग नगण्य है। अकाली दल ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वह भाजपा के साथ फिर से मिलकर चुनाव नहीं लड़ेंगे। वहां अभी कांग्रेस आगे है और फिर अकाली दल और आम आदमी पार्टी की मौजूदगी है। यह संभव है कि भाजपा शहरी क्षेत्र के हिंदू मतों में से कुछ अपने पाले में लाने की कोशिश करे पर सिख मतों में सेंध लगा पाना संभव नहीं दिखता क्योंकि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन में सिख किसानों की अग्रणी भूमिका रही है। जिस प्रकार से बीते साल भर में उस आंदोलन से व्यवहार हुआ है और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हुई है, उसे पंजाब का किसान समुदाय बहुत जल्दी भूला नहीं सकता है। अब किसान आंदोलन के नेता न्यूनतम समर्थन मूल्य, मुकदमों की वापसी और अन्य मुद्दों की बात कर रहे हैं, तो स्पष्ट है कि किसानों का गुस्सा कुछ महीनों में ठंडा नहीं हो सकता है। यदि उत्तर प्रदेश भाजपा के हाथ से निकल जाता है तो पार्टी का आकलन है कि राष्ट्रपति चुनाव में उसके लगभग 58 हजार मत का हिसाब बिगड़ जायेगा। प्रधानमंत्री मोदी की कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा के बाद उनके बहुत सारे समर्थक नाराज हैं, पर इसका कोई राजनीतिक असर नहीं होगा, क्योंकि भाजपा समर्थक विपक्षी दलों के पक्ष में मतदान नहीं करेंगे। कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा सोच-समझ कर उठाया गया जोखिम है हालांकि किसान इससे भाजपा से संतुष्ट हो जायेंगे, ऐसा कहना ठीक नहीं होगा, पर भाजपा की समझ है कि चुनाव आने तक आंदोलन से जुड़ा माहौल कुछ ठंडा पड़ जायेगा और पार्टी को कम-से-कम नुकसान होगा। पार्टी के लोग किसानों के बीच जाकर यह कह तो सकेंगे कि कानून वापस ले लिये गये हैं और इससे अधिक क्या हो सकता था। इससे वे मान भी सकते हैं और भाजपा के साथ आ भी सकते हैं। यह रेखांकित किया जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी अपने निर्णयों से आसानी से पीछे नहीं हटते हैं। लिहाजा कृषि कानूनों के मामले में उनका यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। यह चुनाव जीतने की किसी रणनीति के तहत किया गया फैसला भी नहीं माना जाना चाहिए। यह कोशिश अब तक हुए राजनीतिक नुकसान की भरपाई करने के इरादे से उठाया गया कदम है। उन्हें भी यह मालूम है कि स्थिति पूरी तरह तो नहीं संभलेगी पर नाराज लोगों को मनाने और माहौल में दखल देने का रास्ता जरूर खुलेगा। कृषि कानूनों के अलावा अब पार्टी दूसरे मुद्दे उठाकर लोगों को अपने पाले में लाने का प्रयास करेगी।

शरणार्थी बने सत्ता के हित साधने का हथियार

पश्चिमी देशों सहित एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं के स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने इस आम चुनाव को पूर्णरूप से प्रभावित और षड्यंत्रकारी करार दिया था। बेलारूस की अवाम ने अलेक्जेंडर लुकाशेन्को की इस दमनकारी शासन शैली के विरोध में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किये परन्तु प्रदर्शनकारियों का कठोरता से दमन करते हुए लुकाशेन्को सरकार ने करीब पैंतीस हजार लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में बंद कर दिया।

सुरेश यादव

विगत में लाखों सीरियाई शरणार्थियों के लिए अपने राष्ट्र के द्वार खोलते समय जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल समेत अन्य राष्ट्रों ने शरणार्थियों के प्रति नजरिये में बदलाव करके विकट समस्या पर सहानुभूति से विचार करने हेतु नयी दृष्टि प्रदान की थी। परन्तु आज एक सनकी तानाशाह द्वारा अपने प्रतिशोध के लिए शरणार्थियों को एक हथियार के रूप में काम में लेने की घटना ने शरणार्थी समस्या के अमानवीय पहलू से दुनिया को रूबरू करवाते हुए नये विमर्श को जन्म दिया है। बेलारूस के तानाशाह राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेन्को द्वारा स्पष्टत: राज्य प्रायोजित हजारों तुर्की, अफगानी, इराकी, सीरियाई और अन्य अशांत देशों के मजबूर नागरिकों को योजनाबद्ध तरीके से अपने देश की सीमा से लगने वाले यूरोपियन यूनियन के देशों पोलैंड, लिथुआनिया व लातविया की सीमाओं पर जबरन घुसपैठ के लिए छोड़ दिया।

दरअसल, बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेन्को करीब तीन दशकों से लगातार सत्ता पर काबिज हैं जो वर्ष 2020 के आम चुनावों में 6वीं बार राष्ट्रपति चुने गये हैं परन्तु पश्चिमी देशों सहित एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं के स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने इस आम चुनाव को पूर्ण रूप से प्रभावित और षड्यंत्रकारी करार दिया था। बेलारूस की अवाम ने अलेक्जेंडर लुकाशेन्को की इस दमनकारी शासन शैली के विरोध में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किये परन्तु प्रदर्शनकारियों का कठोरता से दमन करते हुए लुकाशेन्को सरकार ने करीब पैंतीस हजार लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में बंद कर दिया। लुकाशेन्को के उक्त कृत्यों व तानाशाही रवैये व बेलारूसी अवाम के मानवाधिकारों का बेजा हनन करने के कारण यूरोपियन यूनियन और अमेरिका ने बेलारूस पर अनेक प्रतिबंध लगा दिये।

मई माह में तानाशाह लुकाशेन्को ने यूनान से लिथुआनिया जा रही रयान एयर के विमान को हाईजैक करवाते हुए निर्वासित बेलारूसी युवा विसल ब्लोअर, ब्लॉगर और पत्रकार रोमन प्रोताशेविच को बेलारूस में अशांति और दंगे भड़काने के जुर्म में उसकी रूसी महिला मित्र सोफिया सपेगा के साथ गिरफ्तार करवा दिया था। विमान हाईजैकिंग और प्रोताशेविच की गिरफ्तारी की घटना के बाद यूरोपियन यूनियन और अमेरिका ने बेलारूस पर प्रतिबंध और कड़े कर दिये। इन प्रतिबंधों से खफा लुकाशेन्को यूरोपियन यूनियन के विरुद्ध हाईब्रिड वारफेयर के तहत शरणार्थियों को एक हथियार की तरह काम लेते हुए हजारों शरणार्थियों को पोलैंड के बॉर्डर पर लाकर छोड़ दिया जो बेहतर जीवन की उम्मीद में अवैध तरीके से यूरोप में प्रवेश करना चाहते हैं। शरणार्थियों द्वारा पोलैंड के बॉर्डर पर लगे कंटीले तारों को जबरदस्ती काटने व पोलैंड की पुलिस व सेना के साथ शरणार्थियों की हिंसक झड़पें उनका लुकाशेन्को शासन प्रायोजित होना सिद्ध करती हैं। यद्यपि पोलैंड ने लुकाशेन्को के इरादों को भांपते हुए गत दिसम्बर माह में ही अपने 180 किमी बॉर्डर को कंटीले तारों से सुरक्षित करना शुरू कर दिया था। खून जमा देने वाली इस ठंड में शरणार्थी, महिलाओं और बच्चों सहित बॉर्डर पर डटे हुए हैं। भूख से बिलखते बच्चों और हाईपोथर्मिया से मौतों के दृश्य नि:सन्देह हृदयविदारक और मानवता को शर्मसार कर देने वाले हैं परंतु बेलारूसी तानाशाह लुकाशेन्को अपनी जिद पर अड़े हुए हैं।

उन्होंने रूस से यूरोप जा रही यमल गैस पाइपलाइन की आपूर्ति ठप करने तक की धमकी दे डाली है। बढ़ते तनाव के मद्देनजर यूके के रक्षा मंत्री बेन वॉलेस ने अपने देश के 150 सैनिक भेजने की घोषणा की है। इस शरणार्थी संकट का हल निकालने के लिए जर्मन चांसलर की बेलारूस के राष्ट्रपति से वार्ता निरंतर जारी है। फलत: लुकाशेंको के तेवर कुछ नरम पड़े हैं और कुछ इराकी शरणार्थी बॉर्डर से अपने देश के लिए रवाना हो चुके हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि अच्छे मध्यस्थों की मदद से जल्द ही इस संकट का कोई न कोई हल भी निकल ही जायेगा परन्तु यूरोप का अंतिम तानाशाह कहे जाने वाले अलेक्जेंडर लुकाशेन्को की सनक ने यूरोपियन यूनियन और उसके सहयोगी अमेरिका को रूस से टकराव के कगार पर ला खड़ा किया है।

खैर, जो भी हो, महाशक्तियों और वैश्विक संस्थाओं को शीघ्र इस संकट का हल निकालने के ठोस प्रयास करने चाहिए क्योंकि पीड़ित हमेशा आम लोग ही होते हैं, जिन्हें सत्ता निर्मित संकटों और तनावों व युद्ध-केंद्रित अर्थव्यवस्थाओं का खमियाजा बतौर मुफलिसी भुगतना पड़ता है जबकि उनका शासन-सत्ता से कोई सीधा सरोकार भी नहीं होता।

सर्दी में निमोनिया से ऐसे करें बचाव

निमोनिया सांस से संबंधित गंभीर बीमारी है जो बैक्टीरिया या वायरस के संक्रमण के कारण होती है। निमोनिया में फेफड़ों में इन्फेक्शन होता है। 2019 में करीब 25 लाख लोगों की मौत निमोनिया के कारण हुई है। इनमें 6.72 लाख बच्चे भी शामिल हैं। कई रिसर्च में यह बात भी सामने आई है कि कोविड से ठीक होने के बाद लोग निमोनिया से ग्रसित हो रहे हैं। कोविड निमोनिया के कारण मौत का आंकड़ा और भी बढ़ने लगा है। सर्दी के मौसम में निमोनिया का असर ज्यादा होने लगता है। सर्दी में नमी ज्यादा होने के कारण बैक्टीरिया या वायरस का संक्रमण ज्यादा होने लगता है।

क्या है निमोनिया

निमोनिया फेफड़े के संक्रमण की एक बीमारी है। इसमें लंग्स में असाधारण तौर पर सूजन आ जाती है। ज्यादा गंभीर संक्रमण होने पर लंग्स में पानी भर जाता है। आमतौर पर यह बैक्टीरिया या वायरस संक्रमण के कारण होता है जो साधारण इन्फ्लूएंजा की तरह ही होते है लेकिन हाल के दिनों में देखा गया है कि यह कोविड वायरस के कारण भी होने लगा है। एचटीकी खबर के मुताबिक इससे लंग्स को भारी क्षति पहुंचती है।

कारण क्या है निमोनिया का

भारत में अभी भी टीवी के बैक्टीरिया निमोनिया का सबसे बड़ा कारण बने हुए हैं। इसके अलावा वायरस और फंगस भी निमोनिया का कारण हो सकता है। शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो, तो ऐसे व्यक्ति को निमोनिया होने का खतरा ज्यादा रहता है। अगर घर में या वर्क प्लेस पर वेंटिलेशन बहुत कम है, तो भी निमोनिया का खतरा रहता है। अब किडनी और लिवर ट्रांसप्लांट वाले मरीजों में निमोनिया बहुत ज्यादा देखा जा रहा है।

निमोनिया होने पर क्या लक्षण दिखाई देते हैं

- निमोनिया के मरीजों में आमतौर पर देखा जाता है कि ठंड या बिना ठंड के बहुत तेज बुखार आता है।
- अगर व्यक्ति को खांसी के साथ पीले रंग का बलगम आ रहा है। साथ ही तेज बुखार आ रहा है और लंबी सांस लेने में व्यक्ति को काफी दर्द महसूस होता है तो निमोनिया है।
- कुछ मरीजों की छाती में दर्द भी होता है। कभी-कभी खांसी के साथ खून भी निकल आता है।
- भूख नहीं लगती है।

लक्षण दिखने पर क्या करना चाहिए

साधारण निमोनिया की एक्सरे या सीटी स्कैन से पहचान की जा सकती है। इसके बाद इलाज से निमोनिया ठीक हो जाता है। इसलिए लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

बचने के लिए क्या करें

- ठंड के मौसम में बाहर निकलें तो सावधानी से निकलें। फिर चाहे उस वक्त मौसम कुछ गर्म ही क्यों न हो। सितंबर से नवंबर तक कभी गर्मी कभी ठंड की वजह से लोग लापरवाही करते हैं और निमोनिया की चपेट में आ जाते हैं।
- कोविड की वैक्सीन के साथ ही बैक्टीरिया के लिए भी वैक्सीन लगवानी चाहिए। कई बार देखा गया कि बैक्टीरियल वैक्सीन लगाने से बीमारी की गंभीरता कम हो जाती है।
- स्मोकिंग और ड्रिंकिंग वाले लोगों को निमोनिया का खतरा ज्यादा रहता है। इसलिए स्मोकिंग, ड्रिंकिंग को छोड़ना होगा।
- डायबेटिक मरीजों को ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है।
- पोषक तत्वों से भरपूर भोजन को डाइट में शामिल करना होगा।

हंसना मना है

इंजीनियर स्टूडेंट्स से पड़ोसी: क्या कर रहे हो बेटा? लड़का: बस नहाने जा रहा हूं... पड़ोसी: वो सब तो ठीक है पर, आगे के लिए क्या सोचा है ? लड़का: बस बाल्टी भर जाए फिर मोटर बंद कर दूंगा... पड़ोसी बेहोश

पति: पत्नी पार्टी में जाते हैं। पत्नी आज तो स्टेज पर आग लगा देंगे। पति: अरे मैं तो माचिस लाना भूल गया... पत्नी, अरे मैं डांस की बात कर रही हूं, पत्नी... हां लेकिन से तुम्हारे डांस करने पर लोग स्टेज को ही आग लगा देंगे...

पत्नी: मैं हमेशा के लिए घर छोड़ कर जा रही हूं। पति: मैं भी निर्मल बाबा के पास जा रहा हूं पत्नी: मुझे मागने के लिए। पति: नहीं, ये बताने के लिए की कृपा आनी शुरू हो गयी है।

बीवी: एक बात बताओ जी, जब हमारी नयी नयी शादी हुई थी, तो जब मैं खाना बना कर लाती थी तो तुम खुद कम खाते थे, मुझे ज्यादा खिलाते थे। संता: तो? बीवी: तो अब ऐसा क्यों नहीं करते? संता: क्योंकि अब तुम अच्छा खाना बनाना सीख गयी हो।

पति: पत्नी में किसी बात पर झगड़ा हो गया! पत्नी: अब मैं 10 तक गिनूंगी। अगर, तुम ना बोले तो मैं जहर खा लूंगी। पत्नी: एक। पति: खामोश। पत्नी: दो पति फिर भी चुप्प पत्नी: बोलो ना प्लीज। पत्नी का रोना शुरू। पति: गिनती गिन, गिनती पत्नी: शुक्र है। आप बोले तो,नहीं तो मैं जहर खाने ही वाली थी।

कहानी — कचरे का डिब्बा

मैं जब भी सुबह उठता था तो मेरा नियम होता है कि फ्रेश होकर सूर्य नमस्कार करना। मेरे पिताजी भी सुबह उठकर उनका नियम है कि वह 25 मिनिट योगासन में बैठना। उस दौरान हमारे घर का दरवाजा उसी समय सुबह सुबह टक-टक बजता था। दरअसल, उस समय मैं हमेशा मेरे कमरे से जोर से बोलता मम्मी कचरे वाले आए हैं आप कचरे का डब्बा बाहर ला दो। इस तरह हमारा रोज का यह अनुभव हमेशा समान होता। मेरे घर पर सबसे प्यारी समझदार छोटी सी बालक है उसकी उम्र 5 वर्ष से भी कम है। वह हमेशा यह सुनती थी की कचरा वाला आया है जरा कचरे का डब्बा बाहर रखो और कभी-कभी कचरे का डिब्बा भी छोटी सी बालक ही लाकर बाहर रख देती। एक दिन अचानक छोटा सी बालक मुझे आकर पूछती है। यह रोज तो सुबह आते है यह कौन है ? मैं बोलता हूं यह कचरे वाले है। तब वह जवाब देती है कि आप गलत हो। यह कचरे वाले नहीं है। कचरे वाले तो हम है और सबसे बड़े कचरे वाले तो आप हो। ये सुनकर मैं दंग रह जाता हूं, तब वह कहती है परेशान मत हो जाओ। मैं आपको बताती हूं कि मैंने ऐसे क्यों कहा? तब गुस्से से बोलता हूं, हां बताओ बताओ आज कल के बच्चे कुछ भी बोलते है? बताओ क्यों बोला? तब वह प्यार भरे स्वर में कहती है की चाचू वह कचरे वाले नहीं है वह सफाई वाले है। कचरा तो हम कर रहे हैं वह तो बिचारे कचरा साफ कर रहे हैं। अब मुझे बताओ कचरे वाला कौन हुआ? यह उत्तर सुनकर मैं चुप हो गया और दूसरे दिन सब कुछ समान था पर फर्क इतना था की मैं मम्मी की तरफ मुस्कुरा कर बोलता कि मम्मी सफाई वाला आया है और मम्मी हंसकर बोलती हा पता है वह सफाई वाले है और हम कचरे वाले है।

निष्कर्ष = मुझे जो सीख पांच साल के बच्चे से मिली वह मेरे जीवन के नजरिया बदल दिया। जो पांच साल की बच्ची ने सिखाया वह मैने बड़े बड़े से बड़े मोटिवेशनल स्पीकर से भी नहीं सीखा। मोटिवेशनल स्पीकर जो बाते करते उनका प्रभाव सिर्फ 10 मिनिट तक ही रहता। जो बच्ची ने सिखाया वह प्रभाव जीवन भर रहेगा। हमको हमेशा सीखना सब से चहिए भले वह कोई भी हो, क्योंकि पता नही जिस सवाल की तलाश है उसका उत्तर वही से ही मिल जाए।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में निश्चितता रहेगी। घर में तनाव रहेगा। पार्टनरों से मतभेद व कहासुनी हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। नकारात्मकता बढ़ेगी। चोट व दुर्घटना से बचें।

वृषभ

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

मिथुन

रोजगार में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। नए काम मिल सकते हैं। बाहर जाने का मन बनेगा।

कर्क

जीवनसाथी से असहयोग मिलेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें। धनहानि हो सकती है। विवाद से बचें। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह

घर-बाहर जीवन सुखमय रहेगा। रुका हुआ धन मिलने के योग हैं, प्रयास करते रहें। यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। रोजगार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी।

कन्या

भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। बेरोजगारी दूर होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य की अनुकूलता रहेगी।

तुला

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नए मित्र बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। अच्छे समाचार मिलेंगे।

वृश्चिक

निवेश शुभ रहेगा। मेहनत का फल प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी।

धनु

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कारोबारी व्यस्तता रहेगी। कोई आनंददायक यात्रा का आयोजन हो सकता है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। प्रमाद न करें।

मकर

व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। आय बनी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। सभी कार्य समय पर होंगे। निवेश शुभ रहेगा। आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन

स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। कोई बड़ा सौदा हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। घर-बाहर सभी तरफ से सहयोग प्राप्त होगा।

हुमा कुरैशी ने स्टनिंग लुक के लहंगे में मचाया तहलका

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी अक्सर अपने फोटोशूट की वजह से चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। एक बार फिर से हुमा अपनी तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं। खबर लिखने से कुछ घंटे पहले हुमा ने अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ने काफी कीमती लहंगा पहन रखा है। इस लहंगे में एक्ट्रेस की खूबसूरती और उनका अंदाज देखने लायक है। अब सोशल मीडिया पर हुमा की इन तस्वीरों को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में एक्ट्रेस का स्टनिंग लुक दिख रहा है। उनके फैशनेबल ड्रेसिंग स्टाइल को लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

एक्ट्रेस ने पोस्ट में ड्रेस के बारे में दी जानकारी

एक्ट्रेस के ट्रेडिशनल लुक को हर कोई पसंद कर रहा है। अभिनेत्री इन तस्वीरों में क्रीम और सिल्वर कलर के लहंगे में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अपने ड्रेस के बारे में जानकारी दी है।

सोशल मीडिया पर हुमा के लाखों फॉलोअर्स

बता दें कि हुमा के फैन-फॉलोइंग की संख्या सोशल मीडिया पर काफी अधिक है। दिन-प्रतिदिन उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ती ही जा रही हैं। उनके फैंस के हुमा के फोटोज और वीडियोज का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस बात को हुमा काफी अच्छे से समझती हैं। इसीलिए एक्ट्रेस समय-समय पर फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। इस समय इंस्टाग्राम पर हुमा को 4.3 मिलियन लोग फॉलो कर रहे हैं।

अब हुमा कुरैशी के वर्कफ्रंट की बात

अब यदि हुमा कुरैशी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वेब-सीरीज महारानी में अपने दमदार अभिनय से सभी को चौंकाने के बाद उन्होंने बेल बॉटम में अपनी भूमिका से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इस बात की चर्चा है कि हुमा कुरैशी जल्द ही एक फिल्म में नजर आएगी।

डिकपल्ड में धमाल मचाएंगी एक्ट्रेस सोनिया राठी

दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 में रूमी देसाई के अपने ऑन-स्क्रीन चरित्र से लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री सोनिया राठी जल्द ही आगामी वेब श्रृंखला डिकपल्ड में दिखाई देंगी। इसमें आर माधवन और अभिनेत्री सुरवीन चावला मुख्य भूमिकाओं में हैं।

इस वेब सीरीज में माधवन का ये है किरदार हाल ही में जारी ट्रेलर के लिए सोनिया दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्सुक हैं और साथ ही वह माधवन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए भी उत्सुक हैं। इस वेब सीरीज में माधवन एक लेखक आर्य अय्यर की भूमिका निभा रहे हैं। सोनिया ने डिकपल्ड में माधवन के साथ अपने काम के अनुभव के बारे में अपने अनुभव को साझा की है। एक्ट्रेस ने कहा, हमने इसे लगभग एक साल पहले शूट किया था, इसलिए तकनीकी रूप से माधवन पहले अभिनेता थे जिनके साथ मैंने कभी स्क्रीन स्पेस साझा किया है। वह एक अविश्वसनीय अभिनेता हैं और उससे सीखने के लिए बहुत कुछ था। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करना एक सुंदर अनुभव था जो उनके जैसा दयालु और प्रतिभाशाली है और यह अनुभव कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा बनाए रखूंगी। सोनिया फिलहाल लंदन में अपनी अगली फिल्म तारा वर्सेज बिलाल की शूटिंग कर रही हैं, जिसका निर्माण जॉन अब्राहम प्रोडक्शंस कर रहा है। डिकपल्ड 17 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

स्पेशल ऑप्स 1.5 द हिम्मत स्टोरी ने केके मेनन को दिलाई कॉलेज के दिनों की याद

अभिनेता केके मेनन एक और रोमांचक और ताज़ा जासूसी थ्रिलर स्पेशल ऑप्स 1.5 : द हिम्मत स्टोरी के साथ वापस आ गए हैं, जो विशेष रूप से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर उपलब्ध है। 2021 की इस बहुप्रतीक्षित श्रृंखला में, अभिनेता के के मेनन विशेष ऑप्स ब्रह्मांड से हिम्मत सिंह के अपने बहुचर्चित चरित्र को एक ट्विस्ट के साथ दोहराते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक इंटरव्यू के दौरान में, अभिनेता केके मेनन ने 20 साल से अपने लुक को फिर से बनाने की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा, स्पेशल ऑप्स 1. 5 : द हिम्मत स्टोरी एक रोमांचकारी अनुभव था। युवा हिम्मत सिंह एक ही समय में शुष्क बुद्धि और जोश के व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, जितना वह अवसर का सम्मान करता है, वह मिशन के लिए अपने अवांट-गार्डे दृष्टिकोण के साथ बलों को बदलने के लिए प्रेरित करता है। समय में वापस जाना और इस चरित्र को चित्रित करना वास्तव में एक भावनात्मक अनुभव था क्योंकि उनसे और उनके अनुभवों से सीखने के लिए बहुत कुछ है। फाइडे स्टोरीटेलर्स के नीरज पांडे और शिवम नायर द्वारा निर्देशित, श्रृंखला में के के मेनन के साथ आफताब शिवदासानी और आदिल खान हैं, जो गौतमी कपूर, विनय पाठक, परमीत सेठी, केपी मुखर्जी के साथ नई प्रतिभा ऐश्वर्या सुष्मिता, मारिया रयाबोशपका के साथ प्रवेश करेंगे। स्पेशल ऑप्स 1.5 एक मनोरंजक प्रीक्वल है जो भारतीय खुफिया एजेंट हिम्मत सिंह के भारतीय लालफीताशाही, नौकरशाही खामियों और संदिग्ध हनी ट्रैप में प्रवेश का पता लगाता है।

दुनिया के सिर्फ 2 देशों में नहीं बिकता कोका कोला! बेहद रोचक है इसके पीछे की वजह

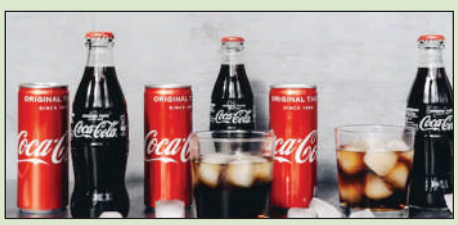

दुनिया में कोका कोला के करोड़ों दीवाने हैं। गर्मी हो या सर्दी, हर मौसम में लोग कोक पीते हैं। इस वजह से कोका कोला के शौकीनों को इस सॉफ्ट ड्रिंक से बहुत प्यार है। कोका कोला की मार्केट जबरदस्त है। पूरी दुनिया में कोक की बिक्री काफी ज्यादा है मगर क्या आप जानते हैं कि पूरी दुनिया में बिकने वाला कोका कोला सिर्फ दुनिया के 2 देशों में नहीं बिकता है। 1886 में फार्मासिस्ट जॉन पंबर्टन ने कोका-कोला को मार्केट में इंट्रोड्यूस किया था। सॉफ्ट ड्रिंक की जो ओरिजनल रेसिपी थी उसमें एलकोहॉल मिलाया जाता था और उसे सोडा फाउंटेन स्टोर में दवा की तरह बेचा जाता था। माना जाता था कि वो सिर दर्द, सीने में जलन और चक्कर जैसी समस्याओं का निवारण करता है। इसके बाद एटलांटा के बिजनेसमैन असा कैंडलर ने पंबर्टन के बिजनेस को ले लिया और ड्रिंक के फॉर्मूला में बदलाव कर दिया। साल 1892 में कोका कोला कंपनी बनी। कंपनी ने स्प्राइट, फैंटा आदि जैसी बीवरेज को भी शुरू किया मगर कोका कोला का क्रेज सबसे ज्यादा रहा। दुनिया के सारे देशों के अलावा सिर्फ दो देश ऐसे हैं जहां कोका कोला नहीं पिया जाता है। ये दो देश हैं क्यूबा और नॉर्थ कोरिया। साल 1906 में कोका कोला ने अपना प्लांट क्यूबा में खोल लिया था मगर 1962 में जब फिदल कास्ट्रो ने क्यूबा रेवोल्यूशन की शुरुआत की तो कोका कोला का प्रोडक्शन रोक दिया गया। कैस्ट्रो की सरकार ने सारी विदेशी कंपनियों की संपत्ति देश के कब्जे में कर ली और दूसरे देशों से संबंध पर शासनादेश जारी कर रोक लगा दी। तब से कोका कोला ने क्यूबा को छोड़ दिया और लौट कर कभी वापस नहीं आई। अमेरिका में भी क्यूबा के खिलाफ शासनादेश जारी किया गया है, जिसके बाद से कोई भी अमेरिकी कंपनी क्यूबा में अपना बिजनेस नहीं करती। 1950 से 1953 के बीच कोरियाई युद्ध जारी था। म्यांमार और वियतनाम में भी काफी वक्त तक कोका कोला नहीं बिकता था, मगर वहां 2012 और 1994 में रोक हटा दी गई थीं।

अजब-गजब | खौफनाक है इस द्वीप की कहानी

इस द्वीप पर एक साथ जिंदा जला दिए गए थे डेढ़ लाख से ज्यादा लोग

दुनिया में बहुत सारी ऐसी जगह है जिनका रहस्य कई हजारों सालों के बाद भी सुलझ नहीं पाया है। ऐसा ही एक आईलैंड है जहां जाने के बाद कोई भी इंसान जिंदा वापस नहीं लौटता है। इटली के इस आइलैंड का नाम पोवेग्लिया आइलैंड है। इसे मौत का आइलैंड यानि आइलैंड ऑफ डेथ कहा जाता है। बताया जाता है ये मौत का टापू कभी अपनी सुन्दरता के लिए मशहूर था। हालांकि आज ये टापू वीरान स्थिति में पड़ा है। इटली में काफी साल पहले प्लेग की बीमारी ने महाविनाश मचाया था। इस दौरान भारी संख्या में लोग इस महामारी की चपेट में आए थे। तब इटली की सरकार इस बीमारी पर काबू नहीं पा रही थी।

इस दौरान इटली की सरकार ने करीब एक लाख 60 हजार मरीजों को इस टापू पर लाकर जिन्दा आग के हवाले कर दिया था। इस विनाशकारी बीमारी के बाद इटली में काला बुखार नामक एक और बीमारी फैली थी। इस बीमारी के भी लाइलाज होने की वजह से जो मौतें हुई थीं। उन लाशों को भी इस टापू पर लाकर दफन कर दिया गया था। इसके बाद से ही इस टापू के आस-पास लोगों को टापू पर अजीबो-गरीब आवाजें

आनी लगी थीं। यहां के लोगों को टापू पर आत्माओं के होने का आभास हुआ था और लोगों ने इस टापू पर जाना बंद कर दिया था। इटली के शहर वेनिस और लिडो के बीच ये टापू वेनेशियन खाड़ी में मौजूद है। यहां पर अब कोई भी जाना पसन्द नहीं करता है। मान्यता है जो भी इंसान यहां जाता है जिंदा वापस नहीं लौटता। एक बार इटली की सरकार ने एक मेंटल हॉस्पिटल बनाकर यहां लोगों की आवाजाही ब?नी चाही थी। हालांकि वहां नौकरी करने वाले डॉक्टर्स तथा नर्सों को आत्माओं का आभास होने लगा था। डॉक्टरों ने कहा था कि उन्हें मौत के इस टापू में तरह-तरह की असामान्य सी चीजें नजर आती थीं। इनसे खतरनाक आवाज निकलती थीं। यहां तक कि मरीजों के परिजनों ने भी कई बार आत्माओं के दिखने की बात कही थी। इसके बाद सरकार को मेन्टल अस्पताल को जल्द ही बंद करना पड़ा था। इसके बाद साल 1960 में इटली सरकार ने इसे एक अमीर व्यक्ति को बेच भी दिया था। इसके बाद उस व्यक्ति के परिवार के साथ यहां खतरनाक हादसे हुए थे।

जन विरोधी हैं भाजपा की नीतियां : अखिलेश

महंगाई और भ्रष्टाचार से परेशान है जनता, किसानों को नहीं मिल रहा गन्ने का बकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि 2022 में होने वाले चुनाव जनता के लिए महत्वपूर्ण है। भाजपा लोकतंत्र को हराना चाहती है। भाजपा की नीतियां जनहित विरोधी हैं। उससे लोग ऊब गए हैं। अब जनता का रुझान समाजवादी पार्टी की ओर है। समाजवादी पार्टी जनता के लिए सरकार बनाना चाहती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की रणनीति जनता के वोट काटने की रही है। वह फर्जी वोट बनाकर चुनाव की पवित्रता को नष्ट करना चाहती है। वह सत्ता की भूखी है और वह सत्ता के लिए कुछ भी कर सकती है। महंगाई और भ्रष्टाचार से हर कोई परेशान है, नोटबंदी और जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को बिगाड़ कर रख दिया है। महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। नौजवान बेरोजगारी से परेशान हैं। सोयाबीन तेल और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में मिलावट की जा रही है।

उन्होंने कहा कि किसानों को न एमएसपी मिल रही है और नहीं उसका गन्ना बकाया मिल रहा है। किसानों के हित में समाजवादी पार्टी ने मंडिया बनवाना शुरू किया था, भाजपा सरकार ने उन्हें बंद करा दिया। किसान के काम आने वाला डीजल महंगा कर दिया। तीन माह में ही सरकारी खाते में 600 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह रकम कहां गई? उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ पर निगरानी रखने में कोई कोताही न करें। जन-जन, गांव-गांव तक समाजवादी सरकार की उपलब्धियां पहुंचाने में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

कृष्णा पटेल ने अखिलेश से की मुलाकात

अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने बुधवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। लोहिया ट्रस्ट में हुई मुलाकात के बाद कृष्णा ने सपा के साथ मिलकर विधान सभा का चुनाव लड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि दोनों दलों के बीच मुद्दों के आधार पर गठबंधन कर चुनाव लड़ने का फैसला किया गया है। कृष्णा पटेल ने दावा किया कि हमारा गठबंधन हो गया है और जल्द ही हम चुनाव प्रचार में संयुक्त मंच पर नजर आएंगे। सीटों के बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी सीटों पर कोई बात नहीं हुई है लेकिन जल्द ही इस पर भी बात होगी। वैसे भी सीटों को लेकर हम दोनो के बीच कोई विवाद है भी नहीं।

कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह की पत्नी को भेजा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपनी लोकसभा सदस्य परनीत कौर को कारण बताओ नोटिस जारी कर कहा कि वह 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' और अपने पति एवं पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और उनकी नवगठित पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस के साथ 'खड़े होने' को लेकर अपना रुख स्पष्ट करें। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी ने कौर को यह नोटिस जारी किया है।

» पूछा, पार्टी के साथ हैं या नहीं

उन्होंने कहा है कि पिछले दिनों पटियाला से कांग्रेस कार्यकर्ताओं, नेताओं और खबरों के जरिये परनीत कौर की 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के बारे में जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक, नोटिस में पटियाला से लोकसभा सदस्य परनीत कौर से यह भी कहा गया है कि उनके अमरिंदर सिंह और उनकी नवगठित पार्टी 'पंजाब लोक कांग्रेस' के साथ खड़े होने की जानकारी मिली है। कांग्रेस प्रभारी ने उनसे इन बिंदुओं पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कहा है। परनीत कौर को उस वक्त यह नोटिस दिया गया है जब 29 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ हो रहा है। बता दें इस साल सितंबर में सिंह ने सिद्धू के साथ सत्ता संघर्ष के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी जगह चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री चुना गया था। इसके बाद उन्होंने अपनी पार्टी गठित की है। सिंह ने कहा कि वह पटियाला सीट से चुनाव लड़ेंगे।

पूर्व सीएम संगमा समेत 12 विधायक टीएमसी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिलांग। मेघालय में कांग्रेस पार्टी को इसके विधायकों ने बड़ा झटका दे दिया। पार्टी के कुल 17 में से 12 विधायकों ने इसका साथ छोड़ दिया और अब ये तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) में शामिल हो गए हैं। यह जानकारी एच एम शांगप्लियांग ने दी। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा का नाम भी शामिल है। इसके साथ ही राज्य में टीएमसी बिना चुनाव लड़े ही मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभर कर सामने आया है।

हाल के दिनों में अनेकों दलों के असंतुष्ट बड़े नेताओं ने टीएमसी का दामन थामा है। इस कड़ी में अब आज मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा 12 कांग्रेसी विधायकों के साथ बुधवार को टीएमसी को समर्थन देने का ऐलान किया है। माना जा रहा है कि विन्सेंट एच. पाला को मेघालय प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रमुख बनाए जाने के बाद से संगमा नाराज चल रहे थे। संगमा ने यह भी कहा था कि पार्टी नेतृत्व ने पाला की नियुक्ति को लेकर उनसे मशविरा नहीं किया। संगमा की नाराजगी को देखते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अक्टूबर में संगमा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विन्सेंट एच पाला से मुलाकात की थी लेकिन महीने भर बाद ही संगमा ने कांग्रेस को बड़ा झटका दे दिया। मेघालय में विधान सभा की 60 सीटों पर साल 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 21 सीटें जीती थीं और नेशनल पीपुल्स पार्टी को 20 सीटें मिली थीं। यूडीएफ के खाते में 6 और निर्दलियों के पास 3 सीटें गई थीं। भाजपा ने मात्र दो सीटों पर जीत हासिल की थी लेकिन बाद में एनपीपी की सरकार बनी, जिसमें भाजपा सहयोगी पार्टी है।

» बिना चुनाव लड़े मुख्य विपक्षी दल बनी टीएमसी, आज होगा ऐलान

महाराष्ट्र की 105 नगर पंचायतों में 21 दिसंबर को मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर चुनावी माहौल बन रहा है। इस बार राज्य के 32 जिलों की 105 नगर पंचायतों में 21 दिसंबर को मतदान होगा। राज्य चुनाव आयोग की ओर से बुधवार को इसकी घोषणा की गई है। राज्य चुनाव आयोग ने आचार संहिता लागू होने की घोषणा भी कर दी है। चुनाव के नतीजे 22 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

राज्य चुनाव आयुक्त यूपीएस मदान ने कहा कि राज्य की 81 नगर पंचायतों का कार्यकाल अप्रैल 2020 से मई 2021 के बीच खत्म हो गया है। 18 नगर पंचायतों का कार्यकाल दिसंबर 2021 में खत्म हो रहा है। इसके साथ ही 6 नई नगर पंचायत बनाई गई हैं। इन सभी में 21 दिसंबर को मतदान होगा। सभी नगर पंचायतों में आचार संहिता लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जो भी उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, उन्हें जाति प्रमाणपत्र और कास्ट वैलिडिटी सर्टिफिकेट अपने नामांकन पत्रों के साथ जमा करना होगा।

गोंडा में युवती समेत मां बाप की हत्या से सनसनी

» शादी से इन्कार पर युवक ने वारदात को दिया अंजाम, फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। नगर कोतवाली के ईमलिया गुरुदयाल में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। इसमें देवी प्रसाद, उनकी पत्नी पार्वती व बेटी सपना उर्फ शिम्पा शामिल हैं जबकि दूसरी बेटी उपासना को चिकित्सक ने हालत नाजुक बताते हुए लखनऊ रेफर कर दिया है। घटना का कारण एक तरफा प्यार में शादी से इंकार होना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बुधवार की शाम करीब साढ़े छह बजे ईमलिया गुरुदयाल गांव निवासी रिटायर रेल कर्मी देवी प्रसाद के घर एक युवक पहुंच गया। वह अंदर घुसकर चैनल को बंद कर लिया। घरवालों के शोर मचाने पर छत के ऊपर दूसरी मंजिल पर बहू लक्ष्मी ने अंदर से अपना दरवाजा बंद कर लिया। वह शोर मचाने लगी। इसी बीच युवक ने देवी प्रसाद, उनकी पत्नी पार्वती, बेटी सपना उर्फ शिम्पा व उपासना के ऊपर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जब तक आसपास के लोग दौड़कर पहुंचते तब आरोपी घर के पीछे रस्सी के सहारे फरार हो गया। आनन-फानन में सभी को जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देवी प्रसाद, उनकी पत्नी पार्वती व बेटी सपना को मृत घोषित कर दिया। डीआईजी उपेंद्र अग्रवाल ने बताया कि प्रेम प्रसंग में तीन लोगों की हत्या कर दी गई है। बेटी उपासना को चिकित्सक ने हालत नाजुक बताते हुए लखनऊ रेफर कर दिया है।

तो सपा के पाले में आएंगे किसान!

» कानून वापसी का नहीं पड़ेगा असर, कई और समस्याएं हैं किसानों की

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में सियासत चरम पर है। आरएलडी का सपा से गठबंधन तय है। आप सांसद संजय सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की है। माना जा रहा है दोनों पार्टियों में जल्द गठबंधन हो सकता है। इसके अलावा कृष्णा पटेल ने भी सपा प्रमुख से मुलाकात की। वहीं अखिलेश ने ऐलान किया है कि सपा सरकार बनने पर शहीद किसानों के परिजनों को 25-25 लाख दिया जाएगा। क्या इन सियासी दांव-पेंच का चुनाव पर क्या असर पड़ेगा? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, विनोद अग्निहोत्री, हरजिंदर, अरुणा, लेखक रविकांत, भारतीय किसान यूनियन के चौधरी हरपाल सिंह और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

» अखिलेश ने शहीद किसानों के परिजनों को आर्थिक मदद देने का किया ऐलान

रविकांत ने कहा, सपा मूलत: किसानों की पार्टी है। आज भारतीय राजनीति के केंद्र में किसान है। कानून वापसी के बावजूद किसानों की कई समस्याएं हैं। उनकी आमदनी बढ़ने की बजाय घटी है। हरपाल सिंह ने कहा, अखिलेश के फैसले का स्वागत है लेकिन मेरी मांग है कि सपा प्रमुख यह घोषणा करें कि यदि उनकी सरकार में भी कोई किसान शहीद होता है तो उसके परिजनों को भी 25 लाख का मुआवजा मिलेगा। अरुणा सिंह ने कहा, अखिलेश का फैसला स्वागत योग्य है। भाजपा सरकार ने लखीमपुर में किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया है। सहयोगी दल आरएलडी का भी दबाव हो सकता है। हरजिंदर ने कहा, अखिलेश जीत के बहुत करीब हैं। किसानों के लिए इस प्रकार की घोषणा करना बहुत अहम है। किसान बड़ा वोट बैंक बन गया है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

विनोद अग्निहोत्री ने कहा, पश्चिमी यूपी के लोगों का समर्थन सपा को रहा है। अखिलेश की यह घोषणा सपा के लिए काफी फायदेमंद रहेगी। अशोक वानखेड़े ने कहा, अखिलेश की इस घोषणा की काट भाजपा के पास नहीं है। वह लगातार दलदल में फंस रही है। सपा किसानों की पार्टी है। भाजपा किसानों को शहीद तक नहीं मानती है।

जाति व संप्रदाय से ऊपर उठें लोग : राष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विवि (एचबीटीयू) के शताब्दी वर्ष समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पहुंच गए हैं, उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना और प्राविधिक शिक्षा मंत्री नीलिमा कटियार भी मौजूद हैं। कुलपति ने अतिथियों के स्वागत के बाद संबोधन शुरू किया है।

राष्ट्रपति रामनाथ ने दीप प्रज्ज्वलित कर शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारंभ किया। वह यहां पर एक घंटे तक रहेंगे और छात्रों, शिक्षकों को संबोधित भी करेंगे। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी कानपुर को देश के प्रथम नागरिक रामनाथ कोविंद ने आज बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने एचबीटीयू के शताब्दी समारोह में यहां के आठ भवनों का लोकार्पण किया। बता दें कि हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय की स्थापना के आज सौ वर्ष पूरे हो गए हैं। राष्ट्रपति ने स्मारक सिक्के, डाक टिकट का अनावरण भी किया। इस मौके पर राष्ट्रपति कोविन्द बोले जाति, संप्रदाय, अमीर-गरीब से ऊपर उठकर लोगों के साथ जुड़ेंगे तो हम जहां रहते हैं वहीं स्वर्ग बन जाएगा। गौरतलब है कि राष्ट्रपति दो दिन के कानपुर के दौरे पर हैं। कल उन्होंने कानपुर में मेहरबान सिंह का पुरवा स्थित चौधरी हरमोहन सिंह पैरामेडिकल साइंस एंड नर्सिंग संस्थान में स्वर्गीय चौधरी हरमोहन सिंह यादव के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करने के साथ ही सर्किट हाउस में कानपुर में अपने पुराने मित्रों तथा रिश्तेदारों से भेंट कर उनसे पुरानी यादों को साझा किया।

- कानपुर के एचबीटीयू में कुलपति ने किया स्वागत
- रामनाथ कोविंद ने किया शताब्दी समारोह का शुभारंभ

मुलायम सिंह के करीबी हरमोहन सिंह की तारीफ की

समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे चौधरी हरमोहन सिंह की तारीफ करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जब ट्रेन में सफर करते थे तो जो अनजान भी होते थे, उन्हें भी हमसफर मानते थे। हमसफर की यही भावना यदि समाज में अपने पास पड़ोस में भी चरितार्थ हो जाए और जाति, संप्रदाय, अमीर गरीब को भूल लोगों को अपनाएं तो जहां रहते हैं वहीं स्वर्ग बन जाएगा। उन्होंने बताया कि 1984 में हरमोहन सिंह यादव ने जान जोखिम में डालकर उन्मादी भीड़ का सामना किया था। उन्होंने गणेश शंकर विद्यार्थी की परंपरा को आगे बढ़ाया जिसकी वजह से 1991 में उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया और देश के विकास में शिक्षकों की छात्रों की प्रभावी भूमिका रही है।

राजनाथ सिंह पहुंचे सीतापुर, बूथ जीतो चुनाव जीतो का देंगे गुरुमंत्र

- रक्षामंत्री पदाधिकारियों व बूथ अध्यक्षों से हुए रूबरू
- कठिन परिश्रम करेंगे तो निश्चित ही सफलता मिलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सीतापुर पहुंच चुके हैं। वे वहां पार्टी की तरफ से आयोजित सम्मेलन में बूथ जीतो कार्यक्रम में भाग लेंगे। सीतापुर पहुंचते ही राजनाथ सिंह ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को बूथ जीतो चुनाव जीतो का गुरुमंत्र दिया। साथ ही उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कठिन परिश्रम करेंगे तो निश्चित ही भाजपा अगले चुनाव में बहुमत का आंकड़ा ही नहीं, बल्कि विपक्ष का सूपड़ा भी साफ कर देगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 15 जिलों के करीब 40 हजार बूथ अध्यक्षों को 2022 विधानसभा चुनाव में बूथ जीतो चुनाव जीतो का मंत्र देंगे। कार्यक्रम को लेकर बीजेपी जिला अध्यक्ष अचिन मल्होत्रा ने कहा भाजपा का हर कार्यकर्ता व बूथ अध्यक्ष लोगों से संवाद करें।

केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों से जनता को अवगत कराए। साथ ही सरकार में मिलने वाली योजनाओं के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा मिशन 2022 को फतह करने को पार्टी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। मुख्य फोकस बूथ को मजबूत करना है। वहीं जौनपुर में भी आयोजित सम्मेलन को पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संबोधित करेंगे। इसमें काशी क्षेत्र के 16 सांगठनिक जिलों के बूथ अध्यक्ष शामिल होकर रक्षा मंत्री से अपनी विधानसभा सीटों पर कमल खिलाने का गुरुमंत्र सीखेंगे। सम्मेलन से पहले व्यवस्थाओं से संबंधित जिम्मेदारियों के लिए अलग-अलग पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा सुरक्षा को देखते हुए भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और जिलाध्यक्ष पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

3.90

लाख रुपये जिला कांग्रेस कमेटी के मकान का किराया है बाकी

लखनऊ। गोरखपुर जिला कांग्रेस कमेटी के ट्रांसपोर्टनगर स्थित कार्यालय का किराया विवाद अब थाने पर पहुंच गया है। मकान मालिक राजमन राय ने राजघाट थाने में तहरीर देकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू और जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के खिलाफ एफआईआर कराने की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। राजमन राय ने बताया कि 25 अक्टूबर 2019 को जिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान अपने साथ तीन-चार लोगों के साथ ट्रांसपोर्ट नगर स्थित उनके दुकान पर आयी थीं। उन्होंने लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यालय खोलने को दिए गए कमरे को दोबारा किराए पर देने का अनुरोध किया। सचिन जायसवाल और अरुण शुक्ल के सामने 15 हजार रुपए प्रति माह किराया देने पर बात बनी। राजमन राय ने बताया कि किराया के लिए गारंटी देने के सवाल पर निर्मला पासवान ने प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू की फोन से बात कराई। अजय लल्लू ने कहा कि किराया कांग्रेस पार्टी देगी। इसके बाद कांग्रेस के कार्यालय के लिए उन्होंने कमरा खोल दिया। राजमन का आरोप है कि वह लगातार किराया मांगते रहे लेकिन निर्मला पासवान सिर्फ आश्वासन देती रहीं। अब किराया 3.90 लाख रुपये हो गया है। अजय लल्लू भी किराया देने के नाम पर सिर्फ आश्वासन देते हैं। मकान मालिक ने ट्रांसपोर्टनगर स्थित जिला कार्यालय पर ताला लगा दिया। तबसे कांग्रेसियों की बैठक इधर-उधर हो रही है।

मोदी सरकार हर मोर्चे पर फेल : सुब्रमण्यम

ममता से मिलने के बाद भाजपा नेता ने केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने के बाद भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने आज सुबह अपने ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट करते हुए मोदी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी कर दिया। उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार इकोनॉमी, सीमा सुरक्षा, विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा जैसे मुद्दे पर फेल रही है। उन्होंने पूछा कि इन विफलताओं की जिम्मेदारी किसकी है।

बता दें कि कल भाजपा के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने ममता बनर्जी से मुलाकात की। इसके बाद से ही राजनीतिक अटकलों को बाजार गर्म है। मुलाकात के बाद स्वामी ने ममता बनर्जी की जमकर तारीफ की। स्वामी ने ट्वीट में लिखा

मैं जितने भी राजनेताओं से मिला या उनके साथ काम किया, उनमें से ममता बनर्जी मोरारजी देसाई, जेपी, राजीव गांधी, चंद्रशेखर और पीवी नरसिम्हा राव के जैसी हैं। इन लोगों की कथनी और करनी में फर्क नहीं होता है। भारतीय राजनीति में यह एक दुर्लभ गुण है। वहीं भाजपा नेता से जब यह पूछा गया कि क्या वह टीएमसी में शामिल होंगे तो उन्होंने कहा कि मैं पहले ही उनके साथ हूं। पार्टी में शामिल होने की मुझे जरूरत नहीं है।

पार्टी में तवज्जो नहीं मिलने से स्वामी भाजपा से नाखुश

बता दें कि सुब्रमण्यम स्वामी ने भाजपा पर पहले भी हमले बोलते आएं हैं लेकिन ममता से मिलने के बाद वे खुलकर सामने आ गए। एनडीए सरकार की दूसरी पारी में भी कोई बड़ी भूमिका नहीं मिलने से नाखुश स्वामी कुछ समय से सरकार के फैसलों की भी खुली आलोचना करने से हिचक नहीं कर रहे हैं। पिछले साल भी जब बंगाल में भाजपा और टीएमसी के बीच सियासी संग्राम अपने चरम पर था तब स्वामी ने ममता बनर्जी को सच्चा हिंदू और दुर्गा भक्त करार दिया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।